हिंदी विभाग / DEPARTMENT OF HINDI

सेमेस्टर –IV

बी.ए.ऑनर्स (हिंदी)

भारतीय काव्यशास्त्र

Core Course – DSC10

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
भारतीय काव्यशास्त्र(DSC10)	**4**	**3**	**1**	**0**	**हिंदी के साथ12वीं उत्तीर्ण**	**NIL**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

1. विद्यार्थियोंकोभारतीय काव्य-चिंतन की परंपरा का बोधकराना।
2. काव्य-चिंतन के विभिन्नसंप्रदायों से अवगतकराना।
3. काव्य के विभिन्न रूपों एवंछंदों की संरचना से परिचितकराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम(Course Learning Outcomes):

1. भारतीय काव्यशास्त्र की चिंतनपरंपरा से अवगतहोसकेंगे।
2. काव्य समीक्षा की प्रद्धतियों का उपयोगकरसकेंगे।
3. पारंपरिकऔरआधुनिककाव्य-विवेक केनैरंतर्य की समझ समृद्धहोगी।

इकाई–1(12 घंटे)

- भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा(आचार्यभरतमुनि से पंडितराजजगन्नाथ तक)
- प्रमुख संप्रदायों का संक्षिप्तपरिचय (रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति, औचित्य)

इकाई–2(12 घंटे)

- काव्य लक्षण
- काव्य हेतु
- काव्य प्रयोजन

इकाई –3(12 घंटे)

- रसः स्वरूप, अवयवऔरभेद
- रसनिष्पत्ति
- साधारणीकरण

इकाई–4(9घंटे)

- **शब्द-शक्ति:**अभिधा, लक्षणा, व्यंजना
- **अलंकार:** शब्दालंकार–अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति
  अर्थालंकार–उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति
- **छंद:**समवर्णिक–सवैया, घनाक्षरी
  सममात्रिक –चौपाई, हरिगीतिका
  अर्द्धसममात्रिक –बरवै, सोरठा
  विषमसममात्रिक –कुंडलिया, छप्पय

सहायकग्रंथ:

1. रस-मीमांसा–आचार्यरामचंद्र शुक्ल, काशीनागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
2. साहित्य-सहचर–आचार्यहजारीप्रसाद द्विवेदी, नैवेद्य निकेतन, वाराणसी।
3. रस-सिद्धांत–डॉ. नगेंद्र, नेशनलपब्लिशिंगहाउस, दिल्ली।
4. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका (भाग2) –डॉ. नगेंद्र, ओरियंटलबुकडिपो।

सेमेस्टर –IV

आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)

Core Course–DSC11

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक) (DSC11)	**4**	**3**	**1**	**0**	**हिंदी के साथ12वीं उत्तीर्ण**	**NIL**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य(Course Objective):

1. आधुनिक हिंदी कविता के उद्भव और विकास का परिचय कराना।
2. खड़ी बोली कविता के बनने और विकसित होने की रचना-प्रक्रिया से परिचित कराना।
3. छायावादी कविता संबंधी आलोचनात्मक बहस और परिचर्चाओं का परिचय देना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम(Course Learning Outcomes):

1. तदयुगीन परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में आधुनिक हिंदी कविता की समझ विकसित हो सकेगी।
2. स्वाधीनता संग्राम के परिप्रेक्ष्य में हिंदीभाषा के भाव-बोध की निर्मिति से परिचित होंगे।
3. कविताओं के वाचन, लेखन, व्याख्या, विश्लेषण आदि की समझ विकसित हो सकेगी।

इकाई –1 (12 घंटे)

- भारतेंदु हरिश्चंद्र –नए जमाने की मुकरी (संपादन 1941)
- मैथिलीशरण गुप्त– 'भारत-भारती' के भविष्यत खंड (92-98)से कवि शिक्षा (106-111)
  (भारती-भारती, साहित्य सदन, चिरगाँव, झाँसी, संस्करण: 1984)

इकाई –2(12 घंटे)

- रामनरेश त्रिपाठी– पथिक: प्रथम सर्ग से – 'प्रति क्षण नूतन वेष बनाकर... परम सुंदर, अतिषय सुंदर है' तक(हिंदी मंदिर प्रकाशन प्रयाग)
- जयशंकर प्रसाद –पेशोला की प्रतिध्वनि, अब जागो जीवन के प्रभात
  (प्रसाद ग्रंथावली, खंड1,संपादक –रत्नशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन)

इकाई –3 (12 घंटे)

- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' –स्नेह निर्झर, भिक्षुक
  (निराला रचनावली, खंड1, संपादक –नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
- सुमित्रानंदन पंत –द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र, भारत माता ग्रामवासिनी
  (सुमित्रानंदन पंत रचना संचयन, संपादक – कुमार विमल, साहित्य अकादेमी, दिल्ली)

इकाई –4(9घंटे)

- महादेवी वर्मा – पूछता क्यों शेष कितनी रात, बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ
  (महादेवी रचना संचयन, संपादक–विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, साहित्य अकादेमी, दिल्ली)
- सुभद्रा कुमारी चौहान – वीरों का कैसा हो वसंत, ठुकरा दो या प्यार करो
  (स्वतंत्रता पुकारती, संपादक– नंद किशोर नवल, साहित्य अकादेमी, दिल्ली)

सहायकग्रंथ:

1. भारतेंदु रचना संचयन, संपादक–गिरीश रस्तोगी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली।
2. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदीनवजागरण की समस्याएँ – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. मैथिलीशरण गुप्त: पुनर्मूल्यांकन – डॉ. नगेंद्र, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. जयशंकर प्रसाद –नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. काव्य और कला तथा अन्य निबंध – जयशंकर प्रसाद, भारती भंडार, इलाहाबाद।
6. छायावाद: पुनर्मूल्यांकन – सुमित्रानंदन पंत, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. पल्लव – सुमित्रानंदन पंत, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. छायावाद – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. छायावाद की प्रासंगिकता – रमेशचंद्रशाह, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर, राजस्थान।
10. प्रसाद का काव्य – प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. निराला की साहित्य साधना – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

सेमेस्टर –IV

हिंदी उपन्यास

Core Course–DSC12

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी उपन्यास (DSC12)	4	3	1	0	हिंदी के साथ12वीं उत्तीर्ण	NIL

पाठ्यक्रम का उद्देश्य(Course Objective):

1. हिंदी उपन्यास के उद्भव और विकास की जानकारी देना।
2. प्रमुख उपन्यासकारों और उनके उपन्यासों की चर्चा करना।
3. कथा साहित्य के विश्लेषण के माध्यम से युगीन चेतना के विकास से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. उपन्यास के विश्लेषण की पद्धति से अवगत हो सकेंगे।
2. हिंदी उपन्यास के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त होगा।
3. प्रमुख उपन्यासों के माध्यम से सामाजिक समस्याओं से अवगत हो सकेंगे।
4. उपन्यास के वाचन, लेखन, व्याख्या, विश्लेषण आदि की समझ विकसित हो सकेगी।

इकाई –1 (12 घंटे)

- उपन्यास: स्वरूप और संरचना
- हिंदी उपन्यास: उद्भव और विकास

इकाई –2(12 घंटे)

- प्रमुख उपन्यासकारों का योगदान–श्रीनिवासदास,प्रेमचंद, जैनेंद्र,अज्ञेय, फणीश्वरनाथ रेणु, श्रीलाल शुक्ल, धर्मवीर भारती, निर्मल वर्मा, मन्नू भण्डारी, मंजुल भगत,चित्रा मुद्गल।

इकाई –3 (12 घंटे)

- प्रेमचंद– कर्मभूमि

इकाई –4(9घंटे)

- श्रीलाल शुक्ल – रागदरबारी

सहायक ग्रंथ:

1. प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. आधुनिक हिंदी उपन्यास – (संपादक) भीष्म साहनी, भगवती प्रसाद निदारिया, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. प्रेमचंद: एक विवेचन – इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाषन, नई दिल्ली।
4. कथा विवेचना और गद्य शिल्प – रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. आस्था और सौंदर्य – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. हिंदी उपन्यास –(संपादक) नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

सेमेस्टर –IV
हिंदी लोकनाट्य
Elective Course –DSE4

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteof the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी लोकनाट्य(DSE 4)	**4**	**3**	**1**	**0**	**हिंदी के साथ12वीं उत्तीर्ण**	**NIL**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objective):

1. विद्यार्थियोंकोभारतीय लोकनाट्य साहित्य और लोक-परंपरा का अवलोकन कराना।
2. लोक-जीवन और लोक-संस्कृति की जानकारी देना।
3. हिंदी लोकनाट्य शैलियों के प्रति रुचि विकसित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. लोकनाट्य की समग्र भारतीय परंपरा का परिचय प्राप्त होगा।
2. विविध प्रादेशिक लोक-नाट्य रूपों के स्वरूप की जानकारी प्राप्त होगी।
3. आधुनिक हिंदी रंगमंच के संदर्भ में विविध लोकनाट्य रूपों के प्रयोगधर्मी स्वरूप की समझ विकसित होगी।

इकाई – 1 **(12घंटे)**

- लोकनाट्य : अवधारणा, स्वरूप और विकास
- परंपरागत एवं आधुनिक लोकनाट्य का इतिहास (भरतमुनि प्रणीत नाट्यशास्त्र के पूर्व से लेकर मध्यकालीन तथा आधुनिक मिश्रित प्रयोगधर्मी स्वरूप तक)

इकाई – 2(12घंटे)

- प्रमुख लोकनाट्य रूपों का संक्षिप्त परिचय: रासलीला, रामलीला, सांग, नौटंकी, ख्याल, माच, पंडवानी, बिदेसिया।

इकाई– 3: पाठपरक अध्ययन (12 घंटे)

- नलदमयंती – सांग (लखमीचंद)

इकाई– 4 : पाठपरक अध्ययन (9 घंटे)

- राजयोगी भरथरी – सिद्धेश्वर सेन

सहायक ग्रंथ:

1. हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास – सोलहवां भाग, राहुल सांकृत्यायन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2. भारतीय लोकनाट्य–वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. भारतीय लोक साहित्य : परंपरा और परिदृश्य–विद्या सिन्हा, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली।
4. लखमीचंद ग्रंथावली, हरियाणा साहित्य अकादमी।
5. लोक साहित्य : पाठ और परख–विद्या सिन्हा, आरुषि प्रकाशन, नोएडा।
6. भिखारी ठाकुर रचनावली– (संपादक) प्रो. वीरेंद्र नारायण यादव, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना।
7. परंपराशीलनाट्य–जगदीशचंद्रमाथुर, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद,पटना।
8. हमारे लोकधर्मीनाट्य–श्याम परमार,लोकरंग, उयदयपुर, राजस्थान।
9. पारंपरिक भारतीय रंगमंच : अनंत धाराएँ–कपिला वात्स्यायन।

सेमेस्टर –IV

पर्यावरण और हिंदी साहित्य

Elective Course – DSE5

Course title & Code	**Credits**	**Credit distribution of the course**			**Eligibility criteria**	**Pre-requisiteof the course**
		Lecture	**Tutorial**	**Practical**		
पर्यावरण और हिंदी साहित्य(DSE5)	**4**	**3**	**1**	**0**	**हिंदी के साथ12वीं उत्तीर्ण**	**NIL**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

1. विद्यार्थियों में पर्यावरण - बोध का प्रसार करना।
2. हिंदी साहित्य में पर्यावरण - चेतना को बताना।
3. पर्यावरण और जीवन के अन्योन्याश्रय संबंधों को समझाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. विद्यार्थी पर्यावरण के विभिन्न आयामों से परिचित होंगे।
2. हिंदी साहित्य में अभिव्यक्त पर्यावरण चेतना को जानेंगे।
3. पर्यावरण और जीव - जगत के अंतर्संबंधों को समझेंगे।

इकाई 1 : पर्यावरण-चिंतन : अवधारणा का विकास(12 घंटे)

- प्रकृति, पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी : अवधारणा और महत्त्व
- विकास की अवधारणा
- विकास की गांधी-दृष्टि
- धारणीय (Sustainable) विकास की अवधारणा

इकाई 2 : हिंदी कविता में प्रकृति(12 घंटे)

- पृथ्वी-रोदन : हरिवंशराय बच्चन
- सतपुड़ा के घने जंगल : भवानी प्रसाद मिश्र

इकाई 3 :कथा साहित्य में प्रकृति और पर्यावरण (12 घंटे)

- परती परिकथा (निर्धारित अंश) :फणीश्वर नाथ रेणु
- बाबा बटेसर नाथ (निर्धारित अंश) : नागार्जुन
- कुइयाँ जान (अंश) : नासिरा शर्मा
- नया मन्वंतर (नाटक) – चिरंजीत

इकाई 4 : कथेतर में प्रकृति-चेतना(9घंटे)

- सुलगती टहनी : निर्मल वर्मा
- हल्दी - दूब और दधि – अक्षत : विद्यानिवास मिश्र
- आज भी खरे है तालाब (अंश) : अनुपम मिश्र

सहायक ग्रंथ:

1. राजस्थान की रजत बूँदें – अनुपम मिश्र, गांधी शांति प्रतिष्ठान, नई दिल्ली।
2. विकास और पर्यावरण – सुभाष शर्मा, प्रकाशन विभाग, सूचना प्रसारण मंत्रालय, नई दिल्ली।
3. जल, थल, मल – सोपान जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. लोग क्यों करते हैं प्रतिरोध – सुभाष शर्मा, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली।
5. साफ माथे का समाज – अनुपम मिश्र, पेंग्विन इंडिया, नई दिल्ली।
6. विचार का कपड़ा – अनुपम मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. तालाब झारखंड – हेमंत, नई किताब प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. अहिंसक अर्थव्यवस्था – नंदकिशोर आचार्य, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर।
9. गांधी हैं विकल्प – नंदकिशोर आचार्य, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर।

सेमेस्टर –IV

जनसंचार माध्यमऔर तकनीक

Elective Course – DSE6

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteof the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
जनसंचार माध्यम और तकनीक (DSE6)	**4**	**3**	**1**	**0**	**हिंदी के साथ12वीं उत्तीर्ण**	**NIL**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

10. विद्यार्थियोंकोजनसंचार माध्यमों के विस्तृतक्षेत्रसेपरिचितकराना।
11. जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त तकनीक का ज्ञान देना।
12. जनसंचार माध्यम और तकनीकसे जुड़ी आचार संहिताओं काबोधकराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. विद्यार्थी जनसंचार के विभिन्नमाध्यमोंकीपहुँचऔरप्रसारक्षमतासेपरिचितहोंगे।
2. जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त तकनीकी पक्ष को जान पायेंगे।
3. फेक न्यूज आदि से बचने के लिए इंटरनेट से जुड़ी आचार संहिताओं का सही ज्ञान होगा।

इकाई–1:जनसंचार : स्वरूपएवंअवधारणा (12 घंटे)

- जनसंचार: अर्थ, परिभाषाव स्वरूप
- जनसंचारकेउद्देश्य
- जनसंचारका प्रसार एवं महत्त्व
- जनसंचार के प्रकार

इकाई–2 : जनसंचार केमाध्यम (12 घंटे)

- प्रिंट ,रेडियोऔरटेलीविज़न
- डिजिटल माध्यम
- सोशलमीडिया–फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम
- सोशलनेटवर्किंगसाइट्सतथा अन्यमाध्यम

इकाई–3 :जनसंचार :तकनीकी पक्ष(12घंटे)

- जनसंचार तथा सूचना तकनीक
- इंटरनेट पत्रकारिता
- ब्लॉग

- न्यू मीडिया

इकाई 4 : जनसंचार और लोकतंत्र (9 घंटे)

- जनसंचार माध्यमों का प्रयोग और नागरिक की ज़िम्मेदारी
- आपात स्थितियों में जनसंचार की भूमिका
- प्रेस कानून : सामान्य परिचय
- साइबर कानून :सामान्य परिचय

सहायकग्रंथ:

1. भूमंडलीकरण और मीडिया –कुमुदशर्मा।
2. जनसंचारमाध्यम : भाषाऔरसाहित्य–सुधीशपचौरी।
3. जनसंचार – हरीश अरोड़ा, युवा साहित्य चेतना मंडल, नई दिल्ली।
4. जनसंचार माध्यमों का राजनीतिक चरित्र – जवरीमल्ल पारख।
5. इंटरनेट पत्रकारिता –सुरेश कुमार।
6. सोशलनेटवर्किंग: नएसमयकासंवाद–(संपादक)संजयद्विवेदी।
7. वर्चुअलरिएलिटिऔरइंटरनेट- जगदीश्वरचतुर्वेदी।
8. सोशलमीडियाऔरब्लॉगलेखन–स्नेहलता।
9. नएमाध्यम, नईहिंदी–प्रो. हरिमोहन।
10. सोशल मीडिया–स्वर्ण सुमन।
11. मीडियाऔरबाज़ार – वर्तिकानंदा।
12. संचारक्रांतिऔरबदलतासामाजिकसौंदर्यबोध–कृष्णकुमाररत्तू।

सेमेस्टर –IV
ब्लॉग लेखन
GE Hindi Course – GE7

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteof the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
ब्लॉग लेखन (GE7)	4	3	1	0	12वीं उत्तीर्ण	NIL

पाठ्यक्रमकाउद्देश्य (Course Objective):

1. ब्लॉगकेविकासकेसाथ-साथभाषा, समाजऔरसंस्कृतिकीजानकारी देना।
2. ब्लॉगलेखनकेविभिन्नप्रभावोंकाअध्ययनकरना।

पाठ्यक्रमअध्ययनकेपरिणाम (Course Learning Outcomes):

1. ब्लॉगलेखनऔरसमाजकेसंबंधकीव्यावहारिकजानकारी प्राप्त होगी।
2. ब्लॉगलेखनकेमाध्यमसेसामाजिक, सांस्कृतिकसमझविकसित होगी।

इकाई –1 : ब्लॉगलेखन: अवधारणा(12 घंटे)

- ब्लॉगकास्वरूप
- ब्लॉगलेखनकाविकास
- ब्लॉगलेखन: भाषा, समाजऔरसंस्कृति
- ब्लॉगलेखनकाप्रभाव

इकाई –2 : ब्लॉगलेखन : व्यक्तिऔरसमाज(12 घंटे)

- ब्लॉगलेखनऔरव्यक्तिरचनात्मकता
- ब्लॉगलेखनऔरसामाजिकरचनात्मकता
- ब्लॉगलेखनऔरजनभागीदारी
- ब्लॉगलेखनऔरसोशलमीडिया

इकाई –3 : ब्लॉगलेखनकेप्रकार(12 घंटे)

- साहित्यिक-सांस्कृतिक
- राजनीतिक-सामाजिक
- शिक्षा-मीडिया
- खेलकूदएवंअन्य

इकाई –4: ब्लॉगनिर्माण(9घंटे)

- भाषाएवंसंरचना
- ब्लॉगनिर्माणकीप्रक्रिया
- किसीविशिष्टविषयपरब्लॉगलेखन

सहायक ग्रंथ:

1. न्यू मीडिया और बदलता भारत–प्रांजलधर, कृष्णकांत,भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
2. इंटरनेट जर्नलिज़्म–विजय कुलश्रेष्ठ, साहिल प्रकाश, जयपुर।
3. सोशल मीडिया और सामाजिक सरोकार–कल्याण प्रसाद वर्मा, साहिल प्रकाशन,जयपुर।
4. ऑनलाइन मीडिया–सुरेश कुमार, पीयर्सन प्रकाशन,भारत।
5. हिंदी ब्लॉगिंग का इतिहास,रवींद्र प्रभात, हिंदी साहित्य निकेत, बिजनौर।

सेमेस्टर –IV

हिंदीभाषाऔरविज्ञापन

GE Hindi Course – GE8

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteof the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी भाषा और विज्ञापन (GE8)	4	3	1	0	12वीं उत्तीर्ण	NIL

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

1. विद्यार्थियोंकोविज्ञापनकेविस्तृतक्षेत्रसेपरिचितकराना।
2. विज्ञापनभाषाकेस्वरूपऔरविशेषताओंकाबोधकराना।
3. विभिन्नमाध्यमोंकेलिएविज्ञापनकॉपीलेखनकाअभ्यासकराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. विज्ञापनलेखनके मध्यम सेभाषा-दक्षताविकसित होगी।
2. विज्ञापननिर्माणकीपूरीप्रक्रियाकोसमझ सकेंगे।
3. विज्ञापनबाज़ारमेंविभिन्नमाध्यमोंकीपहुँचऔरप्रसारक्षमतासेपरिचितहोंगे।
4. कॉपीलेखनके कार्य में सक्षम हो सकेंगे।

इकाई– 1 : विज्ञापन : स्वरूपएवंअवधारणा (12 घंटे)

- विज्ञापन: अर्थ, परिभाषाऔरमहत्त्व
- विज्ञापनकेउद्देश्य: आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक
- विज्ञापनकेप्रमुखप्रकार
- विज्ञापनकेप्रभाव

इकाई–2 : विज्ञापनमाध्यम(12 घंटे)

- विज्ञापनमाध्यमचयनकेआधार
- प्रिंट, रेडियोऔरटेलीविज़नके लिए विज्ञापन
- डिजिटलविज्ञापनतथाआउटऑफ़होमविज्ञापन–होर्डिंग,पोस्टर, बैनर, साइनबोर्ड
- सोशलमीडियाविज्ञापन–फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब, सोशलनेटवर्किंगसाइट्स

इकाई–3 : विज्ञापनकीभाषा(12 घंटे)

- विज्ञापनकीभाषाकास्वरूपएवंविशेषताएँ
- विज्ञापनकीभाषा-शैलीकेविभिन्नपक्ष–सादृश्यविधान, अलंकरण, तुकांतता, समानान्तरता, विचलन, मुहावरे-लोकोक्तियाँ, भाषासंकर, भाव-भंगिमा (बॉडीलैंग्वेज)

- विज्ञापनस्लोगनएवंपंचलाइन

इकाई–4: विज्ञापन: कॉपीलेखन(9घंटे)

- विज्ञापनकॉपीकेअंग
- प्रिंटमाध्यम: लेआउटकेविविधप्रारूप
- वर्गीकृतएवंसजावटीविज्ञापन-निर्माण
- रेडियोजिंगललेखन
- टेलीविज़नविज्ञापनकेलिएकॉपीलेखन

सहायकग्रंथ:

1. जनसंपर्क, प्रचारऔरविज्ञापन–विजयकुलश्रेष्ठ, राजस्थान प्रकाशन,जयपुर।
2. जनसंचारमाध्यम : भाषाऔरसाहित्य–सुधीशपचौरी,नटराज प्रकाशन,नई दिल्ली।
3. डिजिटलयुगमेंविज्ञापन–सुधासिंह, जगदीश्वरचतुर्वेदी, अनामिका पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
4. विज्ञापनकीदुनिया–कुमुदशर्मा, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. विज्ञापन: भाषाऔरसंरचना–रेखासेठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. विज्ञापनऔरब्रांड – संजयसिंहबघेल,सस्ता साहित्य मंडल,नई दिल्ली।
7. मीडियाऔरबाज़ार – वर्तिकानंदा,सामयिक प्रकाशन,नई दिल्ली।

सेमेस्टर –IV

BA (Prog.)With Hindi as MAJOR

अन्य गद्य विधाएँ

Core Course – DSC7

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteof the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
अन्य गद्य विधाएँ (DSC7)	4	3	1	0	12वीं उत्तीर्ण	NIL

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

1. हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना।
2. विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना।
3. प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा।
2. विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे।
3. प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी।

इकाई – 1 (12 घंटे)

- लोभ और प्रीति (निबंध) – रामचंद्र शुक्ल
- बसंत आ गया है (निबंध) – हजारी प्रसाद द्विवेदी

इकाई –2 (12 घंटे)

- प्रेमचंद के साथ दो दिन (संस्मरण) – बनारसी दास चतुर्वेदी
- ठकुरी बाबा (संस्मरण) – महादेवी

इकाई –3(12 घंटे)

- वैष्णव जन (ध्वनि रूपक) – विष्णु प्रभाकर
- शायद (एकांकी) – मोहन राकेश

इकाई –4(9घंटे)

- अंगद का पाँव (व्यंग्य) – श्रीलाल शुक्ल
- ठेले पर हिमालय (यात्रावृत्त) – धर्मवीर भारती

सहायक ग्रंथ:

1. हिंदी का गद्य साहित्य–रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर।
2. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास–बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास–रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. कवि तथा नाटककार–रामकुमार वर्मा, वरुण प्रकाशन, दिल्ली।
5. हिंदी का ललित निबंध साहित्य और आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी–विदुषी भारद्वाज, राधा पब्लिकेशन।
6. साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार–हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार–विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान– रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ–सुरेंद्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

सेमेस्टर –IV
किसी एक साहित्यकार का अध्ययन: भारतेंदुहरिश्चंद्र
Core Course – DSC8-A

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteof the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
किसी एक साहित्यकार का अध्ययन : भारतेंदु हरिश्चंद्र (DSC8-A)	4	3	1	0	12वीं उत्तीर्ण	NIL

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

1. प्रथम स्वाधीनता संग्राम के पश्चात उभरे साहित्यिक परिदृश्य की जानकारी देना।
2. भारतेंदु के साहित्य से विस्तार में परिचय देना।
3. भारतेंदु के कवि, नाटककार और गद्यकार के रूप को समझाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. भारतेंदु के लेखन और रचना-दृष्टि की समझ विकसित होगी।
2. प्रथम स्वाधीनता संग्राम के पश्चातराष्ट्रीय-सांस्कृतिक परिदृश्य से परिचय होंगे।

इकाई – 1 : कविताएं (12 घंटे)

- कहां करुणानिधि केशव सोए
- बसंत होली
- नए जमाने की मुकरी – भीतर-भीतर सब रस चूसे, नई नई नित तान सुनावे, धन लेकर कुछ काम न आवै, तीन बुलाए तेरह आवैं

इकाई – 2: नाटक (12 घंटे)

- नीलदेवी

इकाई – 3: निबंध (12 घंटे)

- भारतवर्षोंन्नति कैसे हो सकती है
- वैष्णवता और भारतवर्ष

इकाई – 4 : विविध (9 घंटे)

- एक अद्भुत अपूर्व स्वप्न

- एक कहानी – कुछ आपबीती, कुछ जगबीती

सहायक ग्रंथ:

1. नाटकार भारतेंदु की रंग परिकल्पना – सत्येंद्र तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएं–रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. भारतेंदुहरिश्चंद्र का रचना संसार: एक पुनर्मूल्यांकन–डॉ. वीरेंद्र सिंह यादव।
4. भारतेंदुहरिश्चंद्र–ब्रजरत्न दास, हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद।
5. भारतेंदु युग और हिंदी भाषा की विकास परंपरा –रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

सेमेस्टर –IV

किसी एक साहित्यकार का अध्ययन: जयशंकर प्रसाद

Core Course – DSC8-B

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteof the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
किसी एक साहित्यकार का अध्ययन : भारतेंदु हरिश्चंद्र (DSC8-B)	4	3	1	0	12वीं उत्तीर्ण	NIL

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

1. छायावाद के प्रवर्तक कवि जयशंकर प्रसाद के साहित्य से विस्तार में परिचय।
2. जयशंकर प्रसाद के कवि, कथाकार, नाटककार और आलोचक रूप को समझना।
3. छायावादी कविता संबंधी आलोचनात्मक बहस और प्रसाद के साहित्य के विकास-क्रम का अध्ययन।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. जयशंकर प्रसाद के लेखन-दृष्टि की गंभीर समझ विकसित होगी।
2. छायावाद और राष्ट्रीय आंदोलन के आपसी संबंधों का विश्लेषण कर सकेंगे।
3. कहानियों, नाटकों और उपन्यासों के आधार पर आदर्शवादी और यथार्थवादी साहित्यिक धारा का ज्ञान प्राप्त होगा।

इकाई – 1 (12 घंटे)

- कविताएँ – बीती विभावरी जाग री, हिमाद्रि तुंग शृंग से, अशोक की चिंता

इकाई –2(12 घंटे)

- कहानियाँ – आकाशदीप, ममता, पुरस्कार, गुंडा
  (प्रसाद ग्रंथावली, खंड4,संपादक– रत्नशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

इकाई–3(12 घंटे)

- नाटक – अजातशत्रु

इकाई–4 (9 घंटे)

- निबंध – यथार्थवाद, छायावाद (काव्य और कला तथा अन्य निबंध पुस्तक से)
  (प्रसाद ग्रंथावली, खंड4,संपादक– रत्नशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

सहायक ग्रंथ:

1. प्रसाद रचना संचयन – (संपादक) विष्णु प्रभाकर और रमेश चंद्र शाह, साहित्य अकादेमी, दिल्ली।
2. जयशंकर प्रसाद –नंददुलारे वाजपेयी।
3. काव्य और कला तथा अन्य निबंध – जयशंकर प्रसाद।
4. छायावाद: पुनर्मूल्यांकन –सुमित्रानन्दन पंत।
5. छायावाद – नामवर सिंह।
6. प्रसाद का काव्य – प्रेमशंकर।
7. छायावाद की प्रासंगिकता –रमेशचंद्र शाह।
8. जयशंकर प्रसाद: एक पुनर्मूल्यांकन – विनोद शाही।
9. छायावाद का पतन – डॉ. देवराज।
10. कामायनी: एक पुनर्विचार – गजानन माधव मुक्तिबोध।
11. छायावाद का पुनर्मूल्यांकन – रामस्वरूप चतुर्वेदी।
12. कामायनी: मूल्यांकन और मूल्यांकन – (संपादक) इंद्रनाथ मदान।
13. जयशंकर प्रसाद: महानता के आयाम – करुणा शंकर उपाध्याय।
14. कंथा (प्रसाद की जीवनी) – श्यामबिहारी श्यामल।

सेमेस्टर –IV

BA (Prog.)With Hindi as NON-MAJOR

अन्य गद्य विधाएँ

Core Course – DSC7

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteof the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
अन्य गद्य विधाएँ (DSC7)	4	3	1	0	12वीं उत्तीर्ण	NIL

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

1. हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना।
2. विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना।
3. प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा।
2. विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे।
3. प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी।

इकाई – 1 (12 घंटे)

- लोभ और प्रीति (निबंध) – रामचंद्र शुक्ल
- बसंत आ गया है (निबंध) – हजारी प्रसाद द्विवेदी

इकाई –2 (12 घंटे)

- प्रेमचंद के साथ दो दिन (संस्मरण) – बनारसी दास चतुर्वेदी
- ठकुरी बाबा (संस्मरण) – महादेवी

इकाई –3(12 घंटे)

- वैष्णव जन (ध्वनि रूपक) – विष्णु प्रभाकर
- शायद (एकांकी) – मोहन राकेश

इकाई –4(9घंटे)

- अंगद का पाँव (व्यंग्य) – श्रीलाल शुक्ल
- ठेले पर हिमालय (यात्रावृत्त) – धर्मवीर भारती

सहायक ग्रंथ:

1. हिंदी का गद्य साहित्य–रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर।
2. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास–बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास–रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. कवि तथा नाटककार–रामकुमार वर्मा, वरुण प्रकाशन, दिल्ली।
5. हिंदी का ललित निबंध साहित्य और आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी–विदुषी भारद्वाज, राधा पब्लिकेशन।
6. साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार–हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार–विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान– रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ–सुरेंद्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।